THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

विपदा के बाद शोक से शाँति तक

From grief to peace after tragedy

Author: Carmen Diaz-Bolton

Christian Science Sentinel Volume 117, Issue 22, June 1, 2015

फ्रांस के आल्पस में हाल ही में हुई हवाई–आपदा, संसार में कई लोगों के लिए ख्रीस्तीय करूणा, आश्रय और भाईचारे की आत्मा में, प्रार्थनामयी सान्तवना और उपचार समाधान को तलाश करने का कारण बनी। सालों पहले इसी तरह की घटना ने जब मुझे निजी तौर पर प्रभावित किया, मुझे प्रार्थनापूर्वक कार्य करने की और उस विपदा में लिप्त भावनाओं के सागर से ऊपर उठने की ज़रूरत थी। क्रिश्चियन साँयस ने वास्तविक, स्थायी शाँति और परमेश्वर की जीवन* और प्रेम के रूप में एक नवीकृत समझ को मुझ में लाने में प्रमुख भूमिका निभाई।

एक शाम क्रिसमस की छुट्टियों से एकदम पहले एक मित्र और मैं टी. वी पर समाचार देख रहे थे, तभी ताज़ा अंर्तराष्ट्रीय घटनाओं की रिपोर्टिंग में एक मार गिराए विमान के टुकड़े की खबर के सीधे प्रसारण ने अचानक हस्तक्षेप किया। हम दोनों शाँति से यह जानने के लिए प्रार्थना कर रहे थे कि आध्यात्मिक वास्तविकता में वे यात्री और उनके परिवार सदा–सर्वदा दिव्य प्रेम में लिपटे हुए थे तभी फोन बजा। मुझे सूचित किया गया कि परिवार का एक करीबी सदस्य उस विमान में था और उनमें से कोई भी जीवित नहीं बचा था। परेशान करने वाली छवियों, जिन्हें मैंने समाचारों में देखा था और सदमे से लड़खड़ाते हुए, मैंने भावनाओं के सागर से ऊपर उठने के लिए संघर्ष किया।

इन तनावपूर्ण परिस्थितियों में मुझे खड़े रहने के लिए मज़बूत आधार की आवश्यकता थी। क्रिश्चियन साँयस मेरे जीवन में बस उस साल के शुरूआत में ही आई थी, मेरी एक शारीरिक अवस्था का उपचार करते हुए जिसके बारे में चिकित्सकों ने सर्जरी को आवश्यक बताया था। मुझे मेरे दिव्य माता–पिता के सदा उपस्थित अनंत प्रेम की वास्तविकता की झलक मिली, जो मुझे उसके सम्पूर्ण रचित विचार को हमेशा पोषित, अनुरक्षित, संरक्षित और निर्देशित करता है। मैं जानती थी कि यह परमेश्वर के सभी बच्चों के लिए सच है। उस उपचार के बाद क्रिश्चियन साँयस मेरा पथप्रदर्शक प्रकाश बन गई, आध्यात्मिक रूप से अपने रचयिता के करीब जाने की आंतरिक इच्छा को तृप्त करते हुए, जीने और सोचने का एक बहुत ही परिपूर्ण तरीका प्रस्तुत करते हुए।

अपने पास उस हाल ही में हुए उपचार के प्रमाण से सुसज्जित, मैं सहज भाव से और तत्परता से परमेश्वर की ओर मुड़ी, जो स्वयं शाश्वत, अनंत प्रेम हैं।

---

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

मैं क्रिश्चियन साँयस उपचार के एक उपचारक को कॉल करने के लिए प्रेरित हुई। शाँति से सुनने के बाद जैसा मैंने उन्हें बताया कि क्या घटित हुआ था, उन्होंने बहुत ही नम्रता से पुष्टि की कि दिव्य प्रेम ही यथार्थ, आध्यात्मिक ब्रह्माण्ड की एकमात्र शक्ति, उपस्थिति, ज्ञान है, और न कोई उसे छू सकता है, न बढ़ा चढ़ा कर दिखा सकता है, न ही बदल सकता है। भौतिक आभास से परे हमारे माता–पिता प्रेम का अनंत, सदा–उपस्थित, कोमल, सर्व–व्यापी प्रेम ठीक वहीं अपने सभी बच्चों के साथ है, हमें प्रेम से अपने करीब रखते हुए। मैं जानती थी विमान में मौजूद प्रत्येक यात्री को सम्मिलित करते हुए मानव, परमेश्वर का आध्यात्मिक विचार है, अपरिवर्तनीय, सम्पूर्ण, प्रेम और जीवन के रूप तथा प्रतिरूप में बना हुआ–अविनाशी, सदा सर्वदा सुरक्षित और पूरी तरह से अखण्ड। हम एक पल के लिए भी दिव्य प्रेम से अलग नहीं हो सकते क्योंकि वहीं हम वास्तव में रहते हैं, परमेश्वर में।

सर्व–सम्मिलित दिव्य जीवन की उज्जवल समझ ने मेरे विचारों को विस्तृत और परिपूर्ण कर दिया। मेरी बेकर एडी लिखती हैं, "आध्यात्मिक जीवन और धन्यता ही एकमात्र प्रमाण हैं, जिनके द्वारा हम असली विद्यमानता को पहचान सकते हैं और अकथित शाँति को महसूस कर सकते हैं जो सर्व– विलयी आध्यात्मिक प्रेम से आती है" (साँयस एण्ड हैल्थ विद् की टू द स्क्रिप्चर्स पृष्ठ 264)। इन सत्यों का प्रभाव निराशा को खत्म करना था जिसने मुझे जकड़ रखा था, और मैं "अकथित शाँति" की समझ से भर गई थी। शोक वापिस नहीं आया; उपचार स्थायी था। इसके बाद जब भी मैंने अपने रिश्तेदार के बारे में सोचा यह हमेशा अनंत जीवन होने के नाते, परमेश्वर के प्रति विनीत आभार और इस परिवार के सदस्य द्वारा अभिव्यक्त प्रेम के लिए प्रसन्नता के साथ था।

हर पल हम सबको चुनाव करना होगा कि हमें किसके लिए काम करना है। क्या हम अपने सम्पूर्ण हृदयों, विचारों ओर क्रियाओं से परमेश्वर कि लिए काम करते हैं या अपने आपको सीमित सांसारिक विचारों द्वारा बंधक बनने देते हैं? मोज़िज़ ने यह विकल्प इस्राएलियों को उनसे वादा किए गए देश की यात्रा के दौरान दिया: "मैंने तुम्हारे समक्ष जीवन और मृत्यु, आशीष और शाप को रखा है: इसलिए जीवन को चुनो, ताकि तुम और तुम्हारा अंश दोनों जीवित रह सकें" (व्यवस्थविवरण 30:19) मैंने अपने विचारों को परमेश्वर की तरफ मोड़ने को चुना, जो जीवन, सत्य और प्रेम है, परमेश्वर के तीन समानार्थक, जिसके बारे में मैं ज्यादा जान रही थी। ये परमेश्वर को हमारा शाश्वत जीवन, सर्वेसर्वा घोषित करते हैं।

श्रीमति एडी कहती हैं, "सत्य, जीवन और प्रेम हर उस चीज़ के लिए विनाश का कानून है जो उनके समान नहीं है क्योंकि वे परमेश्वर के सिवाए किसी का वर्णन नहीं करते" (साँयस एण्ड हैल्थ पृष्ठ 243)। उस समय के दौरान मैंने अपने विचारों को अनंत जीवन, सत्य और प्रेम की तरफ मोड़ने और नश्वरता की भौतिक तस्वीर से परे करने का निश्चय किया। मैंने स्नेह, उत्थान, करूणा, दयालुता, सौम्यता, बल, आरामदायक उपस्थिति, आशा और क्षमा के साथ प्रेम के प्रतिबिंब के रूप में अपनी पहचान के अनुरूप प्रयत्न किया। मैंने अनश्वर जीवन की खुशी, स्फूर्ति और असीम गतिविधि को परमेश्वर के सर्व सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड और सत्य की विश्वसनीय उचित शक्ति और न्याय के सिद्धान्त के रूप में संजोया। जैसे ही मैंने ऐसा किया, मैंने देखा कि ये समानार्थक वास्तव में, जो अच्छा और वास्तविक नहीं है उसके लिए "विनाश का एक कानून" हैं।

अपनी स्वयं की सोच को व्यवस्थित रखने से मेरी अपनी स्थिति बेहतर हुई, जिसने मेरे परिवार में दूसरों को दुःख से उबारने मे मदद की। छुट्टियों के दौरान मैं साप्ताहिक क्रिश्चियन साँयस बाइबल लैसन के अध्ययन, अपनी स्वयं की प्रार्थनाओं, क्रिश्चियन साँयस उपचारक के उपचार के द्वारा आध्यात्मिक शक्ति को बनाए रखने में सक्षम रही।इसने मानवीय नाटक के उतार चढ़ाव में डूबने से मेरी रक्षा की और मुझे परिवार तथा

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

दूसरों के लिए प्रेम अभिव्यक्त करने में सक्षम बनाया, बिना उन्हें उपदेश दिए और क्रिश्चियन साँयस में परिवर्तित किए। मेरा एकमात्र कार्य था क्राइस्ट की रोशनी–दिव्य संदेश जो हम सबके पास आता है और उपचार लाता है, जैसे जीसस ने प्रत्यक्षीकृत किया–उसको मेरे विचारों द्वारा चमकने देना, जिस प्रकार झरोखे से सूर्य को।

यह कई मसलों में आध्यात्मिक समझ को बढ़ाने का समय था। मानवीय मत यहाँ केवल हमारे प्रियजनों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को धुंधला करते हुए प्रतीत होते हैं, जैसे अभी कल ही थे लेकिन अब सदा के लिए चले गए हैं, परन्तु मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि जीवन अनंत है। जैसे युद्ध में अच्छाई और बुराई को एक समान माना जाता है मैंने वह कोशिश छोड़ दी, एक अनिश्चित परिणाम के साथ, क्योंकि **परमेश्वर** अनंत अच्छाई, **मन**, **जीवन** और **प्रेम**–" इतना पवित्र है कि बुराई नहीं देख सकता और पाप पर नज़र नहीं डालता" (हबक्कूक 1:13)। बुराई के पास सदा–उपस्थित, मृत्युरहित जीवन के विरूद्ध युद्ध छेड़ने के लिए कोई स्थान या शक्ति नहीं है।

एक बार किसी ने कहा कि यदि मुझे बहुत गहरे रंग के चश्मे पहनने पड़े और एक बिल्कुल सफेद घोड़े को देखना हो, घोड़ा मुश्किल से दिखाई देगा, परन्तु वास्तव में घोड़ा स्वंय नहीं बदल जाता और उसके लिए मेरी धुंधली दुष्टि से वह प्रभावित नहीं होता। इस मामले में मुझे मानव के नश्वर दृश्य के गहरे रंग के चश्मे उतारने थे और अपने रिश्तेदार तथा बाकी सभी यात्रियों को जो उस विमान में थे, अनंत **जीवन** और **प्रेम** की अभिव्यक्ति की तरह देखना था जैसा **परमेश्वर** उन्हें सदा सर्वदा से जानता है। जैसा श्रीमति एडी लिखती हैं, "तुम्हारे दिव्य प्रेम से पोषित होकर हम जीते हैं, / क्योंकि केवल प्रेम ही जीवन है।" (कविताएं, पृष्ठ 7) इसलिए मानव के गलत नश्वर दृष्टिकोण को छोड़ना सबसे ज्यादा उन्नत करने वाला, हर्ष से उपचार करने वाला था और मेरे लिए यह करना स्वाभाविक रूप से बहुत अच्छी चीज़ थी।

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.